शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

वार्षिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न पत्र (2025-26)

कक्षा XI

हिंदी (ऐच्छिक) (002)

अवधि-3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:-

- **इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं- खंड क, ख और ग।**
- **दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **तीनों खंडों के कुल 14 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।**

प्रश्न संख्या **खंड 'क'** **(अपठित बोध)** **अंक**

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

बालमन तकनीक के जाल में बुरी तरह उलझ गया है। खेल, सूचनाएँ, अध्ययन से जुड़ी सामग्री, विद्यालयी गतिविधियों की जानकारियाँ और मित्रता तक सब कुछ बच्चे तकनीकी संसाधनों के माध्यम से ले रहे हैं। तकनीक के सीमित क्षेत्र में मासूम मन ने अपनी एक अलग दुनिया बना ली है। पल-पल अवतरित होती सामग्री बालमन को बहला ही नहीं, भटका भी रही है। हर तरह के रंग लिए इस सामग्री में रमे बच्चों को कोई हिदायत या अभिभावकों की सहज सलाह भी स्वीकार नहीं। इन माध्यमों ने बच्चों की मासूमियत ही नहीं समझ भी छीन ली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोबाइल गेमिंग की लत को एक डिसऑर्डर माना है। इस आभासी व्यस्तता के कारण एकाग्रता के साथ-साथ बच्चों की बाल सुलभ रचनात्मकता भी खो रही है। गेमिंग की लत के कारण शारीरिक गतिविधियाँ घटने से बच्चों को मोटापा, आलस और अनिद्रा की समस्याएँ घेर रही हैं। एम्स के चिकित्सकों के अनुसार हमारे यहाँ 2050 तक लगभग 10 से 15 फीसदी बच्चे मायोपिया का शिकार हो जाएँगे।

बच्चों की इस बदलती दुनिया में अभिभावकों का समय रहते चेतना आवश्यक है। बच्चों और बड़ों के बीच नियमित संवाद ज़रूरी है। घर का माहौल बदलना और माता-पिता का भी स्मार्टफोन की चकाचौंध से दूर रहना पहला क़दम है। मोबाइल फोन की लत के शिकार बच्चों को धीरे-धीरे संयम के साथ सहज जीवन की ओर मोड़ना होगा। बीते दिनों फ्रांस में स्नायु विज्ञानी, मनोवैज्ञानिक और अन्य विशेषज्ञों की समिति ने अपनी रिपोर्ट में सिफ़ारिश की है कि बच्चों को तेरह वर्ष की आयु तक स्मार्टफोन का प्रयोग नहीं करने देना चाहिए और 18 वर्ष की आयु तक सोशल मीडिया मंचों के प्रयोग पर भी पूरी तरह रोक लगा देनी चाहिए। तकनीक के इस जाल में उलझने से बचाने या उलझने के बाद फिर सहज जीवन से जोड़ने का पहलू हो, दोनों मोर्चों पर माता-पिता का संयमित और समझ भरा बर्ताव बच्चों का जीवन सहेज सकता है।

(क) वर्तमान समय में बालमन किसमें उलझा हुआ है? **1**

(i) खेलकूद के जाल में

(ii) परीक्षाओं की तैयारी में

(iii) तकनीक के जाल में

(iv) आभासी मित्रों के जाल में

(ख) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए – **1**

कथन: आभासी दुनिया में रमे बच्चों को बड़ों की सहज सलाह भी स्वीकार्य नहीं है।

कारण : तकनीकी संसाधनों ने बच्चों की मासूमियत के साथ-साथ उनके सोचने समझने की शक्ति को भी प्रभावित किया है।

विकल्प :

(i) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(ii) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(iii) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(ग) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : **1**

कथन I तकनीकी सामग्री से बालमन भटक रहा है।

कथन II : तकनीकी सामग्री का बच्चों की मासूमियत पर कोई असर नहीं पड़ता।

कथन III : तकनीकी सामग्री के कारण बच्चे कुशाग्र बुद्धि बन रहे हैं।

कथन IV : तकनीकी सामग्री के कारण बच्चों की एक अलग दुनिया बन चुकी है।

गद्यांश के अनुसार कौन-से कथन सही हैं?

विकल्प:

(i) केवल कथन I, II और III सही हैं।

(ii) केवल कथन II और III सही हैं।

(iii) केवल कथन I, II और IV सही हैं।

(iv) केवल कथन I और IV सही हैं।

(घ) तकनीकी संसाधनों की महत्ता संबंधी कोई दो बिंदु लिखिए। **1**

(ङ) मोबाइल गेमिंग का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? **2**

(च) आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अभिभावकों को क्या-क्या कदम उठाने चाहिए? **2**

(छ) फ्रांस में विभिन्न विषय विशेषज्ञों की समिति ने आभासी दुनिया से संबंधित रिपोर्ट में कौन-कौन सी सिफारिशें की हैं? **2**

प्रश्न 2. निम्नलिखित कविता के अंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

तपने के बाद वे भट्टे की समाधि से निकलीं
और एक वास्तुविद के स्वप्न में
विलीन हो गईं
घर एक ईंटों भरी अवधारणा है

जी बिल्कुल ठीक सुना आपने
मकान नहीं घर
जैसे घर में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता
सभी लोग करते हैं सब तरह के काम
एकदम ईंटों की तरह
जो होती हैं एक-दूसरे की पर्यायवाची
एक-दूसरे की बिल्कुल जुड़वाँ
वैसे ईंटें मेरे पाठ्यक्रम में थीं
लेकिन जब वे घर बनाने आईं
तो पाठ्यक्रम से ही बाहर था उनका हर दृश्य
ईंटों के चट्टे की छाया में
तीन ईंटें थीं एक मज़दूरनी का चूल्हा
एक उसके थके हुए सिर के नीचे लगी थी
बाद में जो लगने से बच गईं
उनको तो करने थे और बड़े काम
बक्सों-अलमारियों को सीलन से बचाना था
टूटे हुए पायों को थामना था
ऊँची जगहों तक पहुँचने के लिए
बच्चों का क़द
ईंटों को ही बढ़ाना था
हम चाहते हैं ईंटें हों सुडौल
रंगत हो सुर्ख
बोली में धातुओं की खनक
फिर दाम भी हों मुनासिब

(क) तपने के बाद ईंटों के साथ क्या हुआ ? निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **1**

कथन I : ईंटें भट्टे में समाधिस्थ ही रहीं।
कथन II : ईंटें भट्टे में ही विलीन हो गईं।
कथन III : ईंटें भवन-निर्माता के सपनों को आकार देने लग गईं।
कथन IV : ईंटें भट्टे से बाहर निकल आईं।
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।
विकल्प :

(i) केवल कथन I सही है।
(ii) केवल कथन IV सही है।
(iii) केवल कथन I और III सही हैं।

(iv) केवल कथन III और IV सही हैं।

(ख) पाठ्यक्रम से इतर ईंटों का बाहरी दृश्य क्या था ? **1**

(i) भवन-निर्माण सामग्री के रूप में उपयोग आना

(ii) बच्चों के खेल-कूद की सामग्री के रूप में काम आना

(iii) तपने के लिए भट्टे की अग्नि को सहन करना

(iv) मज़दूरों के दैनिक जीवन की आवश्यकताओं में काम आना

(ग) 'फिर दाम भी हों मुनासिब' पंक्ति के माध्यम से मानव स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है ? **1**

(i) कम दाम में गुणवत्तापूर्ण वस्तु खरीदना

(ii) वस्तु खरीदते समय मोल-भाव करना

(iii) उचित मूल्य देकर ही वस्तु खरीदना

(iv) वस्तु खरीदने से पहले जेब टटोलना

(घ) मज़दूरनी ने ईंटों का उपयोग कैसे किया ? **1**

(ङ) गृह-निर्माण के पश्चात् बची ईंटों के साथ क्या हुआ ? **2**

(च) 'घर को ईंटों भरी अवधारणा' किस आधार पर कहा गया है? **2**

खंड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) अंतः वैयक्तिक संचार से क्या आशय है? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) **1**

(ख) 'संचार जीवन की निशानी है।', कैसे? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) **2**

(ग) समाचार के तत्त्वों में जनरुचि के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) **2**

प्रश्न 4. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक विषय</u> पर लगभग 120 शब्दों में दृश्य लेखन कीजिए- **1x5=5**

(क) रसोईघर में खाना बनाते हुए पिताजी का दृश्य

(ख) किसी मेले का दृश्य

(ग) किसी पार्क का दृश्य

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किसी <u>एक विषय</u> पर लगभग 100 शब्दों में पत्र/आवेदन पत्र लिखिए- **1x5=5**

(क) दिल्ली परिवहन निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखकर एक बस कर्मचारी के प्रशंसनीय और साहसिक व्यवहार की सूचना देते हुए उसे सम्मानित करने का आग्रह कीजिए।

अथवा

(ख) जनसंख्या विभाग' को घर-घर जाकर सूचनाएँ एकत्रित करने वाले ऐसे स्वयंसेवकों की आवश्यकता है, जो हिंदी और अंग्रेज़ी में भलीभाँति बात कर सकते हों और सूचनाओं को सही-सही दर्ज कर सकते हों। इसके साथ ही आवेदकों में विनम्रतापूर्वक बात करने की योग्यता होनी चाहिए। इस काम में अपनी रुचि प्रदर्शित करते हुए जनसंख्या विभाग के सचिव को स्ववृत्त के साथ आवेदन-पत्र लिखिए।

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से किसी <u>एक विषय</u> पर प्रतिवेदन/कार्यवृत्त लिखिए- **1x3=3**

(क) आपके विद्यालय में जोनल स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस संदर्भ में एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) विद्यालय में हिंदी-दिवस मनाने के लिए हिंदी-साहित्य परिषद की बैठक 2 सितंबर, 2025 को संपन्न हुई थी। उसमें जिन विषयों पर चर्चा हुई और जो निर्णय लिए गए उनका कार्यवृत्त तैयार कीजिए।

प्रश्न 7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए - **2x2=4**

(क) 'डायरी निजी अनुभूतियों के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य का ब्यौरा प्रस्तुत करता है।' स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'फ़्लैश फॉरवर्ड' तकनीक को उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

खंड 'ग' (अंतरा-भाग 1 तथा अंतराल-भाग 1 पाठ्य पुस्तकों पर आधारित प्रश्न)

प्रश्न 8. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए - **5x1=5**

लोगों का क्या?
लोग तो यह भी कहते हैं
मगध अब कहने को मगध है,
रहने को नहीं
कोई टोकता तक नहीं
इस डर से
कि मगध में टोकने का रिवाज न बन जाए
एक बार शुरू होने पर
कहीं नहीं रुकता हस्तक्षेप
वैसे तो मगधनिवासियो कितना भी कतराओ
तुम बच नहीं सकते हस्तक्षेप से-

(क) पंक्ति 'मगध अब कहने को मगध है, रहने को नहीं' में 'मगध' किसका प्रतीक है?

(i) किसी भी नामशेष, खोखली होती जा रही सत्ता-व्यवस्था का।
(ii) भारत के एक प्राचीन राज्य का।
(iii) एक ऐसे स्थान का जहाँ बोलने की पूरी आज़ादी है।
(iv) एक ऐसे स्थान का जहाँ रहना बहुत कठिन हो गया है।

(ख) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए -

कथन : 'मगध अब कहने को मगध है, रहने को नहीं' का तात्पर्य है कि मगध का गौरवशाली अतीत समाप्त हो चुका है और उसका वर्तमान स्वरूप पतनशील और खोखला है।

कारण : मगध में आवास और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है, इसलिए लोग वहाँ रहना नहीं चाहते।

विकल्प :

(i) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(ii) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(iii) कथन सही है और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।
(iv) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(ग) पंक्ति 'एक बार शुरू होने पर / कहीं नहीं रुकता हस्तक्षेप' में 'हस्तक्षेप' शब्द का क्या तात्पर्य है?

(i) रोज़मर्रा के जीवन की सामान्य उठापटक।

(ii) विरोध या असहमति की वह धारा जो नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

(iii) मगध की आंतरिक समस्याओं में बाहरी देशों का दखल।

(iv) शासक द्वारा नागरिकों के व्यक्तिगत जीवन में दखल।

(घ) कवि के अनुसार, 'हस्तक्षेप' से क्यों नहीं बचा जा सकता?

(i) क्योंकि बाहरी ताकतें मगध को नियंत्रित कर रही हैं।

(ii) क्योंकि शासक खुद हस्तक्षेप चाहता है।

(iii) क्योंकि मगध निवासियों को टोकने की आदत पड़ चुकी है।

(iv) क्योंकि निष्क्रियता के बावजूद परिवर्तन की प्रक्रिया अपरिहार्य है।

(ङ) नागरिकों द्वारा 'टोकने' से क्यों बचा जा रहा है?

(i) क्योंकि वे हस्तक्षेप की अनिवार्यता को समझते हैं।

(ii) क्योंकि मगध में टोकने का कोई रिवाज नहीं है।

(iii) इस डर से कि विरोध का रिवाज स्थापित न हो जाए।

(iv) क्योंकि वे मगध के शासक का सम्मान करते हैं।

प्रश्न 9. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- **2x2=4**

(क) कबीर ने अपने पद में 'बालम' शब्द का प्रयोग किसके लिए और क्यों किया है?

(ख) 'बादल को घिरते देखा है' कविता में नागार्जुन ने बादल के कोमल और कठोर दोनों रूपों का वर्णन किया है। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'पत्नी की आँखें, आँखें नहीं हाथ हैं, जो मुझे थामे हुए हैं' पंक्ति के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि ने पत्नी की आँखों को हाथों का प्रतीक क्यों दिया है?

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांशों में से <u>किसी एक</u> की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए – **1x6=6**

(क) चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना!
जाग तुझको दूर जाना।
अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कंप हो ले,
या प्रलय के आँसुओं में मौन अलसित व्योम रो ले;
आज पी आलोक को डोले तिमिर की घोर छाया,
जागकर विद्युत-शिखाओं में निठुर तूफ़ान बोले।
पर तुझे है नाश-पथ पर चिह्न अपने छोड़ आना!
जाग तुझको दूर जाना!

अथवा

(ख) खेलन में को काको गुसैयाँ।
हरि हारे जीते श्रीदामा, बरबस हीं कत करत रिसैयाँ।
जाति-पाति हमतें बड़ नाहीं, नाहीं बसत तुम्हारी छैयाँ।

अति अधिकार जनावत यातै जातें अधिक तुम्हारै गैयाँ।
रूठहि करै तासौं को खेले, रहे बैठि जाँ-तहँ ग्वैयाँ।
सूरदास प्रभु खेल्यौइ चाहत, दाऊँ दियौ करि नंद-दुहैयाँ॥

प्रश्न 11. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए- **5x1=5**

मुंशी जी के निबटने के पश्चात सिद्धेश्वरी उनकी जूठी थाली लेकर चौके की ज़मीन पर बैठ गई। बटलोई की दाल को कटोरे में उँडेल दिया, पर वह पूरा भरा नहीं। छिपुली में थोड़ी-सी चने की तरकारी बची थी, उसे पास खींच लिया। रोटियों की थाली को भी उसने पास खींच लिया, उसमें केवल एक रोटी बची थी। मोटी, भद्दी और जली उस रोटी को वह जूठी थाली में रखने जा ही रही थी कि अचानक उसका ध्यान ओसारे में सोए प्रमोद की ओर आकर्षित हो गया। उसने लड़के को कुछ देर तक एकटक देखा, फिर रोटी को दो बराबर टुकड़ों में विभाजित कर दिया। एक टुकड़े को तो अलग रख दिया और दूसरे टुकड़े को अपनी जूठी थाली में रख लिया। तदुपरांत एक लोटा पानी लेकर खाने बैठ गई। उसने पहला ग्रास मुँह में रखा और तब न मालूम कहाँ से उसकी आँखों से टपटप आँसू चूने लगे।

(क) गद्यांश में सिद्धेश्वरी द्वारा 'जूठी थाली' में स्वयं के लिए भोजन रखने का कार्य किस मनोदशा का प्रतीक है?

(i) स्वच्छता के प्रति उसकी लापरवाही का
(ii) उसकी दीनता और परिवार में सबसे अंतिम स्थान का
(iii) मुंशी जी के प्रति उसके गहरे सम्मान का
(iv) परिवार के प्रति उसकी उदासीनता का

(ख) सिद्धेश्वरी के 'टपटप आँसू चूने' का सबसे संभावित कारण क्या है?

(i) गरीबी, अपनी विवशता और बच्चे के लिए भोजन बचाने का मर्म।
(ii) मुंशी जी के चले जाने का दुःख।
(iii) भोजन का स्वाद बहुत खराब था।
(iv) उसका पेट भरा हुआ था, इसलिए उसे खाने का मन नहीं था।

(ग) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए -

कथन : सिद्धेश्वरी के हिस्से में केवल 'मोटी, भद्दी और जली' एक रोटी बची थी।
कारण : सिद्धेश्वरी के पास रोटी बनाने का कौशल नहीं था, इसलिए वह अच्छी रोटियाँ नहीं बना पाती थी।
विकल्प :

(i) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(ii) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(iii) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।
(iv) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(घ) गद्यांश के आधार पर सिद्धेश्वरी की चारित्रिक विशेषता क्या है?

(i) स्वार्थी और लापरवाह
(ii) फिजूलखर्ची करने वाली
(iii) त्यागी और ममतामयी

(iv) क्रूर और भावुकताहीन

(ङ) गद्यांश में 'मोटी, भद्दी और जली' रोटी का उल्लेख किस बात का संकेत देता है?

(i) परिवार की आर्थिक तंगी के कारण निम्न गुणवत्ता वाला भोजन।

(ii) सिद्धेश्वरी के खाना बनाने के खराब कौशल का।

(iii) रोटी को जानबूझकर ऐसा बनाया गया था ताकि कोई उसे न खाए।

(iv) सिद्धेश्वरी को ऐसी ही रोटी खाना पसंद था।

प्रश्न 12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- **2x2=4**

(क) 'मानो भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।' इस कथन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि 'धर्म तोड़ता नहीं जोड़ता है।'

(ख) ''खानाबदोश' कहानी में समाज के मजदूर वर्ग की गरीबी, असुरक्षा और पूँजीपति वर्ग द्वारा उसके शोषण को सामने लाया गया है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ग) 'जिस प्रकार ट्रेन बिना इंजिन के नहीं चल सकती ठीक उसी प्रकार 'हिन्दुस्तानी लोगों को कोई चलाने वाला हो' से भारतेंदु जी ने अपने देश की खराबियों के मूल कारण खोजने के लिए क्यों कहा है ?

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांशों में से <u>किसी एक</u> की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए – **1x6=6**

(क) "इन ईंटों पर म्हारा कोई भी हक ना है...क्यूँ...", मानो ने ताज्जुब भरी कड़ुवाहट से कहा। उसके अंदर बवंडर मचल रहा था। कुछ देर की खामोशी के बाद मानो बोली, "हर महीने कुछ और बचत करें... ज़्यादा ईंटें बनाएँ... तब?... तब भी अपणा घर नहीं बणा सकते?" अपने भीतर कुलबुलाते सवालों को बाहर लाना चाहती थी मानो।

"इतनी मज़दूरी मिलती कहाँ है? पूरे महीने हाड़-गोड़ तोड़ के भी कितने रुपए बचे! कुल अस्सी। एक साल में एक हज़ार ईंटों के दाम अगर हमने बचा भी लिए तो घर बणाने लायक रुपया जोड़ते-जोड़ते उम्र निकल जागी। फेर भी घर ना बण पावेगा।" सुकिया ने दुखी मन से कहा।

अथवा

(ख) "तुम्हारी ही बात सही, तुम षड्यंत्र में नहीं, विद्रोह में नहीं, पर यह बक-बक क्यों? इससे फ़ायदा? तुम्हारी इस बक बक से न तो देश की दुर्दशा दूर होगी और न उसकी पराधीनता। तुम्हारा काम पढ़ना है, पढ़ो। इसके बाद कर्म करना होगा, परिवार और देश की मर्यादा बचानी होगी। तुम पहले अपने घर का उद्धार तो कर लो, तब सरकार के सुधार का विचार करना।"

उसने नम्रता से कहा, "चाचा जी, क्षमा कीजिए। इस विषय में मैं आपसे विवाद नहीं करना चाहता।"

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए- **2x5=10**

(क) मकबूल ने अपनी आत्मकथा में बड़ौदा शहर की क्या विशेषताएँ बताई हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) शरतचन्द्र के प्रसिद्ध उपन्यास 'देवदास' की 'पारो' के चरित्र निर्माण में शरत् के बचपन की किस घटना का प्रतिबिंब है? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

(ग) "अपराजेय कथाशिल्पी शरत्चन्द्र के निर्माण में कुसुमकामिनी का जो योगदान हैं, उसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।" इस कथन से शरत् के जीवन की किस घटना का पता चलता है?